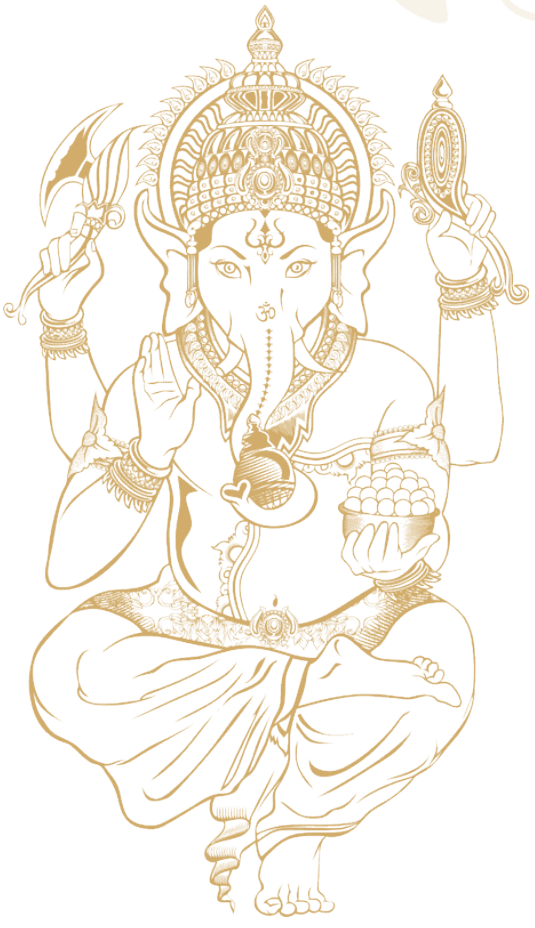

Manisha Sharma

23 Nov 1959

03:48 AM

Sangrur

Model: Varshphal-2017

Order No: 121896101

तिथि 23/11/1959 **समय** 03:48:00 **वार** सोमवार **स्थान** Sangrur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:17:48
अक्षांश 30:14:00 उत्तर **रेखांश** 75:50:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:26:40 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	07:25:56 घं
वेलान्तर	00:13:47 घं
सूर्योदय	06:57:25 घं
सूर्यास्त	17:27:41 घं
चैत्रादि संवत	2016
शक संवत	1881
मास	मार्गशीर्ष
पक्ष	कृष्ण
तिथि	7
नक्षत्र	आश्लेषा
योग	ऐन्द्र
करण	बव

अवकहड़ा चक्र

गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डो-डौली
पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-रजत
होरा	बुध
चौघड़िया	अमृत

विंशोत्तरी

बुध 0वर्ष 8मा 29दि

राहु

22/08/2010
22/08/2028

राहु	04/05/2013
गुरु	28/09/2015
शनि	04/08/2018
बुध	20/02/2021
केतु	11/03/2022
शुक्र	10/03/2025
सूर्य	02/02/2026
चन्द्र	04/08/2027
मंगल	22/08/2028

योगिनी

भ्रामरी 0वर्ष 2मा 3दि

धान्या

25/01/2025
26/01/2028

धान्या	26/04/2025
भ्रामरी	26/08/2025
भद्रिका	25/01/2026
उल्का	27/07/2026
सिद्धा	25/02/2027
संकटा	27/10/2027
मंगला	26/11/2027
पिंगला	26/01/2028

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			25:20:44	कन्या	चित्रा	1	मंगल	राहु	---	0:00			
सूर्य			06:34:15	वृश्चि	अनुराधा	1	शनि	बुध	मित्र राशि	1.13	कलत्र	पितृ	अतिमित्र
चंद्र			29:24:50	कर्क	आश्लेषा	4	बुध	शनि	स्वराशि	1.04	आत्मा	मातृ	जन्म
मंगल		अ	29:04:37	तुला	विशाखा	3	गुरु	सूर्य	सम राशि	1.57	अमात्य	भ्रातृ	मित्र
बुध	व	अ	10:10:56	वृश्चि	अनुराधा	3	शनि	शुक्र	सम राशि	1.07	ज्ञाति	ज्ञाति	अतिमित्र
गुरु			16:41:49	वृश्चि	ज्येष्ठा	1	बुध	बुध	मित्र राशि	0.99	मातृ	धन	जन्म
शुक्र			20:20:33	कन्या	हस्त	4	चंद्र	केतु	नीच राशि	1.22	भ्रातृ	कलत्र	प्रत्यारि
शनि			11:44:00	धनु	मूल	4	केतु	बुध	सम राशि	1.39	पुत्र	आयु	सम्पत
राहु	व		08:46:22	कन्या	उ०फाल्गुनी	4	सूर्य	शुक्र	मूलत्रिकोण		---	ज्ञान	क्षेम
केतु	व		08:46:22	मीन	उ०भाद्रपद	2	शनि	शुक्र	मूलत्रिकोण		---	मोक्ष	अतिमित्र

लग्न-चलित

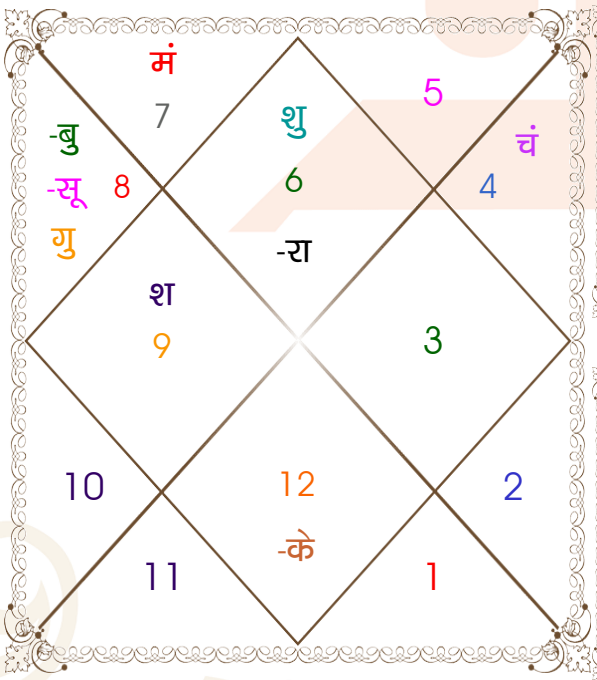

चन्द्र कुंडली

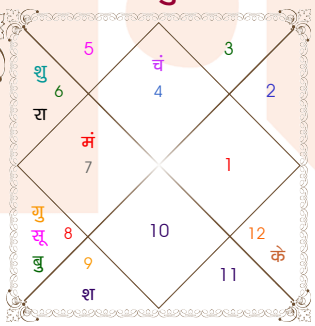

नवमांश कुंडली

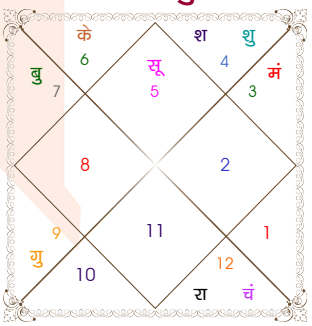

सर्वाष्टकवर्ग

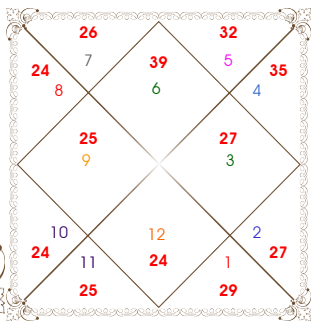

दशमांश कुंडली

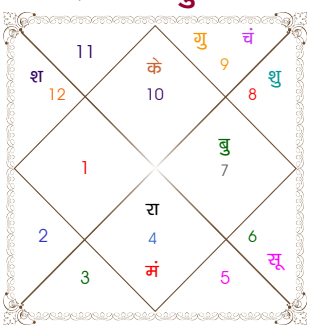

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा समय समय पर आप रक्त विकार से कष्ट की अनुभूति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेंगी तथा मन से आप चिन्तित तथा व्याकुल रहेंगे। साथ ही आपके स्वभाव में क्रोध की प्रबलता रहेगी जिससे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। शत्रुपक्ष या विरोधी इस समय आपसे संघर्ष के लिए तत्पर रहेंगे तथा आप उनका सामना करने के लिए उद्यत रहेंगे। इसी संघर्ष में आपको किसी शस्त्रादि से चोट लग सकती है लेकिन पराक्रम आपका बना रहेगा तथा बन्धु वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग मिलेगा। साथ ही संघर्ष पूर्वक सुख संसाधनों की भी अल्प मात्रा में प्राप्ति होगी तथा न्यूनाधिक रूप से आप इनका उपभोग करते रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष पूर्वक आप इस क्षेत्र में उन्नति करेंगे एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। साथ ही यदा कदा इसमें समस्याएं भी हो सकती है तथा हानि के अवसर भी आ सकते हैं अतः सावधान रहें। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न से रहेंगे। अतः ऐसे समय में उनकी उपेक्षा न करें तथा आज्ञापालन में तत्पर रहें। इस वर्ष में आपकी प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी साथ ही आर्थिक स्थिति में भी उतार चढ़ाव आएंगे। अतः परिश्रम एवं संघर्ष करते रहें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक रूप से कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगी। मानसिक स्थिति भी आपकी विशेष अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में अशान्ति तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा पारिवारिक जनों के मध्य तनाव तथा मतभेद रहेगा। पिता से इस समय आपको सामान्य सहयोग तथा स्नेह प्राप्त होगा। साथ ही आप भी उनकी विशेष चिन्ता नहीं करेंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में सामान्य श्रद्धा का भाव रहेगा तथा समय अनुसार धार्मिक कृत्यों को सम्पन्न कर सकती हैं। इस वर्ष में शत्रु पक्ष भी आपके लिए अनावश्यक चिन्ता एवं परेशानी उत्पन्न करेगा तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में परिश्रम पूर्वक ही सफलता प्राप्त होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा व्यापार में अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी अवरूद्ध रहेंगे। अतः ऐसे समय में कोई नवीन कार्य प्रारंभ न करें। नौकरी या राजनीति में पदोन्नति संबंधी समस्याएं रहेंगी तथा इसमें विलम्ब होगा। उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से आपके संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा इनसे सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा अतः इनकी उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें। आर्थिक स्थिति भी इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा व्ययाधिक्य के कारण यदा कदा परेशानी होगी साथ ही सामाजिक मान प्रतिष्ठा में भी न्यूनता आएगी। अतः समय की अशुभता को देखते हुए सोच समझकर अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक परेशानी तथा कष्ट की अनुभूति करेंगी। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। साथ ही सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्पूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आपको अत्यंत ही पराक्रम तथा परिश्रम करना पड़ेगा फिर भी इसमें सफलता आपको आंशिक ही प्राप्त होगी। इस समय आपके स्वयं द्वारा किए गए कार्यो से भी अप्रसन्नता होगी तथा मानसिक असन्तुष्टि तथा परेशानी भी रहेगी।साथ ही मित्रों एवं संबधियों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः उनसे आपको लाभ एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा।

इस वर्ष में शत्रुवर्ग से आप अत्यंत ही कष्ट एवं परेशानी की अनुभूति करेंगी तथा वे आपके लिए समय समय पर अनावश्यक कष्ट एवं परेशानी उत्पन्न करेंगे। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी अतः ऐसे समय में आपको पूर्ण सतर्क तथा सावधान रहना चाहिए।इस वर्ष में सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग आपसे विशेष प्रसन्न नहीं रहेंगे तथा आप अल्प मात्रा में ही इच्छित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस समय आपका व्यय भी अधिक मात्रा में होगा तथा धनहानि की भी संभावना रहेगी।साथ ही कार्य क्षेत्र में भी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा रूके हुए कार्य भी सिद्ध नहीं होंगे।इसके अतिरिक्त इस समय आपके मन में भ्रान्तियां भी उत्पन्न होंगी फलतः एक दूसरे से विवाद या झगड़े की भी संभावनाएं भी बनेंगी। अतः ऐसे समय को संयम एवं धैर्यपूर्वक व्यतीत करें इससे अशुभ फलों में न्यूनता रहेगी।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थतियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक अस्वस्थता से कष्ट की भी अनुभूति करेंगी साथ ही मानसिक रूप से भी आप समय समय पर उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगी। इस समय शत्रु पक्ष से आपको चिन्ताएं रहेंगी तथा आपके लिए समय समय पर वे अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे। यद्यपि आप इन पर विजय तो प्राप्त करेंगी परन्तु इनसे आपको सावधान ही रहना चाहिए। आर्थिक स्थिति आपकी इस समय मध्यम रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में ही धनार्जन होगा। साथ ही आय स्रोतों में भी व्यवधान आएंगे तथा यदा कदा व्ययाधिक्य से आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। इस वर्ष में आपकी आशाएं तथा संकल्प भी अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे। साथ ही वाहन संबधी सुख का लाभ अल्प मात्रा में ही प्राप्त हो सकता है।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष मध्यम रहेगा इस समय सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबध सामान्य रहेंगे फलतः इनसे आपको विशेष लाभ या सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा।साथ ही व्यापार में उन्नति तथा लाभ प्राप्त करने के लिए आपको अधिक परिश्रम तथा संघर्ष करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में आपकी उन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे जिससे आपको परेशानी की अनुभूति होगी। साथ ही विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा। सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश की दृष्टि से वर्ष मध्यम रहेगा तथा यदा कदा ही आपको विशिष्ट सम्मान की प्राप्ति होगी साथ ही अन्य जनों से भी आपके संबध विशेष सौहार्द पूर्ण नहीं रहेंगे। अतः संयम एवं शान्ति पूर्वक कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

प्रथम मास

23/11/2026 08:02:09 से 22/12/2026 21:22:05 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	19:12:46
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	06:34:15
चन्द्र		मेष	भरणी	15:37:25
मंगल		सिंह	मघा	04:35:41
बुध		तुला	स्वाति	17:15:20
गुरु		सिंह	मघा	02:09:05
शुक्र		तुला	चित्रा	00:11:53
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	13:58:59
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	00:27:42
केतु	व	सिंह	मघा	00:27:42
मुंथा		मेष	भरणी	25:20:44

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

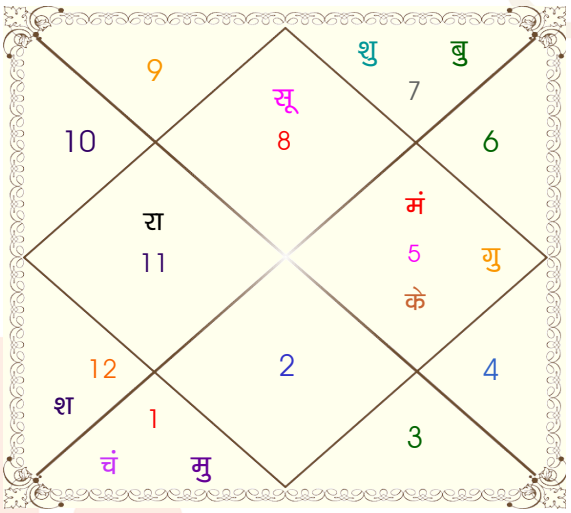

यह मास आपका शुभाशुभ फलों से युक्त होकर व्यतीत होगा। इस समय आप शारीरिक रूप से अस्वस्थता की अनुभूति करेंगी साथ ही शत्रु भी उत्पन्न होंगे जिससे मानसिक परेशानी तथा भय उत्पन्न होगा। अपने उच्चाधिकारी वर्ग की आप इस मास में उपेक्षा न करें अन्यथा आप दंडित भी हो सकती हैं। साथ ही चोरों से भी सावधान रहें। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन भी अनावश्यक रूप से अधिक मात्रा में व्यय होगा। इस समय आप कोई कठोर कार्य करने की दिशा मेंभी तत्पर हो सकती हैं। ऐसे कार्यों से आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी अनावश्यक तनाव उत्पन्न हो सकता है। इसके अतिरिक्त आशाओं में भी सामान्यतया असफलता ही मिलेगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगी। जिससे आपको पति से सुख,बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि तथा अन्य प्रकार से सुख प्राप्त होंगे। साथ ही धार्मिक कृत्यों को करने के लिए भी तत्पर रहेंगी।

द्वितीय मास
22/12/2026 21:22:05 से 21/01/2027 08:04:40 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	27:03:41
सूर्य		धनु	मूल	06:34:15
चन्द्र		वृष	रोहिणी	16:39:06
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:06:36
बुध		धनु	मूल	00:53:34
गुरु	व	सिंह	मघा	02:38:12
शुक्र		तुला	विशाखा	20:17:04
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	13:49:09
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	27:33:20
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	27:33:20
मुंथा		मेष	कृतिका	27:50:44

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

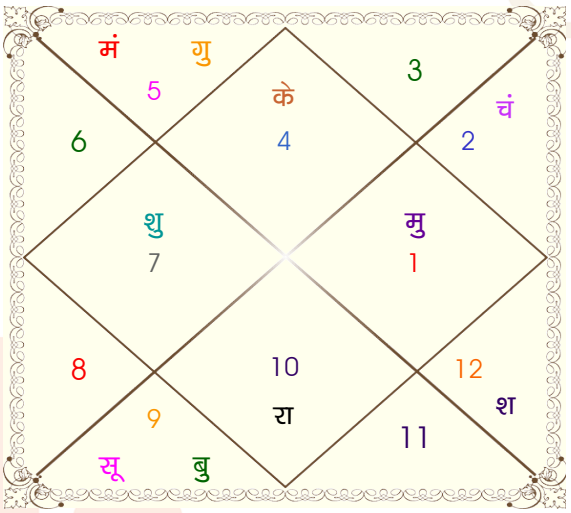

आप इस मास में शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी तथा अशुभ फल अल्प मात्रा में ही होंगे। अतः इसके शुभ प्रभाव से आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी तथा मान एवं प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगी एवं वे आपसे प्रसन्न तथा संतुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुजनों की भलाई के कार्यों को भी आप यत्नपूर्वक सम्पन्न करेंगी तथा उनसे यथोचित सम्मान एवं सहयोग भी प्राप्त करेंगी साथ ही आपके परस्पर सम्बन्ध भी मधुर रहेंगे। आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना विद्यमान रहेगी तथा इनकी सेवा एवं पूजन में तत्पर रहेंगी। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख अर्जित करेंगी तथा बन्धु एवं मित्र वर्ग में आप प्रतिष्ठत एवं सम्माननीया रहेंगी इसके अतिरिक्त आपकी अधिकांश असफल आशाएं भी इस समय पूर्ण होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगी।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ आपको अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः वायु से उत्पन्न रोगों से पीड़ित रहेंगी। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको धन सम्बन्धी हानि हो सकती है। अतः बुद्धिमता से आप शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करें।

तृतीय मास
21/01/2027 08:04:40 से 19/02/2027 22:20:35 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	श्रवण	17:37:59
सूर्य		मकर	उत्तराषाढ़ा	06:34:15
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	16:37:47
मंगल	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:27:49
बुध		मकर	श्रवण	18:59:20
गुरु	व	सिंह	मघा	00:25:47
शुक्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:32:43
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	15:11:18
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	26:21:29
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	26:21:29
मुंथा		वृष	कृतिका	00:20:44

मासाधिपति : शनि

मासाधिपति

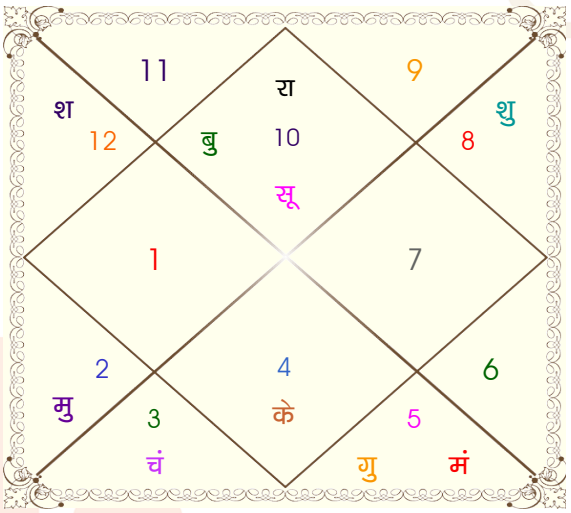

इस मास में आप विशेष शुभ फल तथा प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता बढ़ेगी तथा इसी बुद्धि बल से आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगी। इस मास में आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगी एवं पुत्र सुख भी आपको प्राप्त होगा। साथ ही आपकी प्रभुता में वृद्धि होगी तथा सभी पारिवारिक एवं समाजिक लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे। आप इस समय शुभ कार्य सम्पन्न करेंगी तथा शुभ समाचार भी आपको प्राप्त होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्नपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इसके साथ ही इस मास में आप सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से उचित लाभ अर्जित करेंगी एवं समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस प्रकार मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी एवं अपनी बुद्धिमता से कई महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगी। धर्म के अनुपालन में आपकी श्रद्धा रहेगी तथा इस समय किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी सफल हो सकेंगी। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा।

चतुर्थ मास
19/02/2027 22:20:35 से 21/03/2027 21:30:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	29:55:27
सूर्य		कुम्भ	धनिष्ठा	06:34:15
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	18:59:32
मंगल	व	सिंह	मघा	06:30:44
बुध	व	कुम्भ	धनिष्ठा	04:24:41
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	26:39:36
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	24:27:29
शनि		मीन	रेवती	17:49:17
राहु		मकर	धनिष्ठा	26:18:55
केतु		कर्क	आश्लेषा	26:18:55
मुंथा		वृष	कृतिका	02:50:44

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

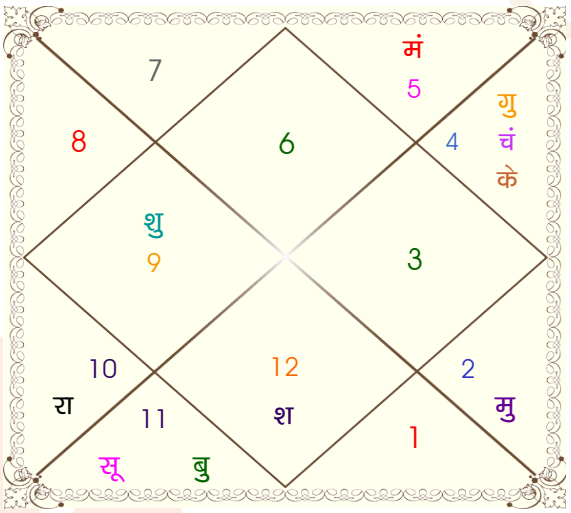

यह मास आपके लिए पूर्ण शुभफलदायक रहेगा अतः आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सफल रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप किसी सम्माननीय पद को प्राप्त कर सकेंगी। सरकार या अन्य उच्च वर्ग के लोगों से भी आप धनलाभ अर्जित करने में सफल होंगी। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम भी हो सकता है। साथ ही पति एवं पुत्र से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में भी सफल रहेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा इनकी पूजा एवं सेवा करने में भी आप तत्पर रहेंगी। इस मास आपके समाज में यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपके भाग्योदय सम्बन्धी कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता रहेगी एवं दूर समीपस्थ स्थानों में लाभदायक यात्राओं के योग बनेंगे। उच्चाधिकारियों से भी आप सहयोग अर्जित करेंगी एवं मित्र तथा बन्धुवर्ग से आपके अत्यंत ही मधुर सम्बन्ध रहेंगे। इस प्रकार आप सर्वत्र मान प्रतिष्ठा अर्जित करेंगी।

साथ ही इस मास में आपका गृहस्थ सुख उत्तम रहेगा एवं नवीन वस्त्र तथा आभूषणादि को भी प्राप्त करने में आप सफल रहेंगी। इस प्रकार आप आनंदपूर्वक इस समय को व्यतीत करेंगी।

पंचम् मास
21/03/2027 21:30:51 से 21/04/2027 08:45:33 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	स्वाति	14:31:11
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	06:34:15
चन्द्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	26:18:41
मंगल	व	कर्क	आश्लेषा	27:26:19
बुध		कुम्भ	शतभिषा	09:22:41
गुरु	व	कर्क	आश्लेषा	23:32:31
शुक्र		कुम्भ	धनिष्ठा	00:07:59
शनि		मीन	रेवती	21:17:25
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	25:45:59
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	25:45:59
मुंथा		वृष	कृतिका	05:20:44

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

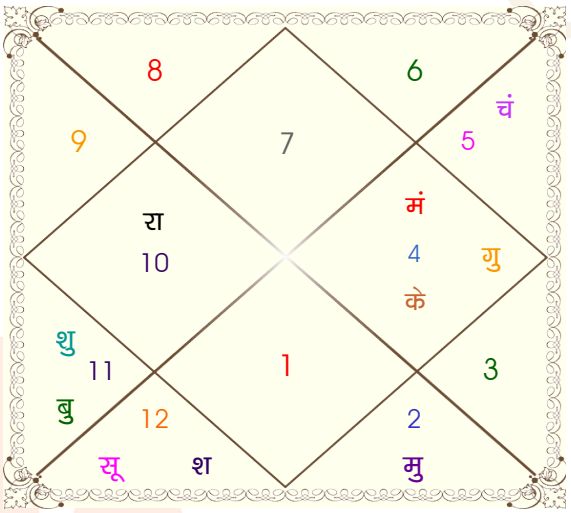

इस मास में आप शुभाशुभ फलों को प्राप्त करेंगी तथा मध्यम रूप से आपका यह समय व्यतीत होगा। इस समय आपके शत्रु बलवान रहेंगे अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। साथ ही घर में चोरी आदि होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका व्यय भी अधिक होगा फलतः आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। साथ ही शारीरिक रूप से आप अस्वस्थ एवं परेशान रहेंगी जिससे शारीरिक बल में न्यूनता आएगी। इस प्रकार आप कई प्रकार से शारीरिक एवं मानसिक कष्ट प्राप्त करेंगी इस मास में आपकी दूर या समीप की यात्रा भी हो सकती है तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य विध्न बाधाओं के कारण पूर्ण रूप से सफल नहीं होंगे। इसके अतिरिक्त मुकद्दमे आदि में भी आपके धन का अपव्यय हो सकता है। अतः बुद्धिमता से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगी तथा इस समय पति एवं पुत्र से आप पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगी ।नवीन वस्त्र या आभूषण आदि की भी प्राप्ति हो सकेगी जिससे आप प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

षष्ठ मास

21/04/2027 08:45:33 से 22/05/2027 08:05:55 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	मृगशिरा	24:43:54
सूर्य		मेष	अश्विनी	06:34:15
चन्द्र		तुला	स्वाति	09:02:34
मंगल		कर्क	आश्लेषा	28:49:40
बुध		मीन	रेवती	28:02:47
गुरु		कर्क	आश्लेषा	22:51:17
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	06:56:09
शनि		मीन	रेवती	25:06:44
राहु	व	मकर	धनिष्ठा	23:25:21
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	23:25:21
मुंथा		वृष	कृतिका	07:50:44

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

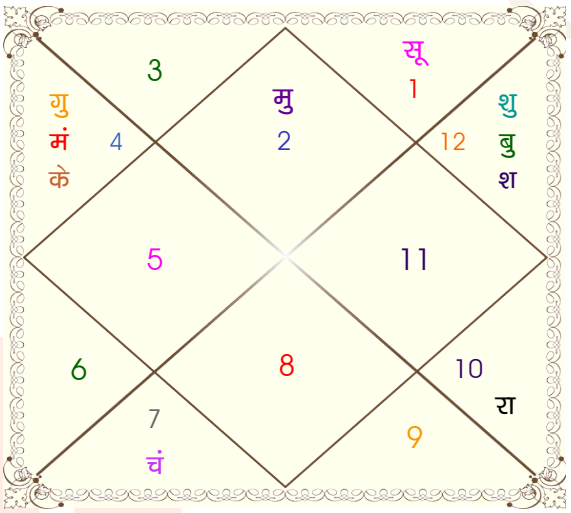

यह मास आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं मन भी शान्त एवं सन्तुष्ट रहेगा। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा दुश्मनों को पराजित करने में सफल रहेंगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगी। इस मास में आपके भाग्योदय संबधी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे साथ ही कोई विलम्बित महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगा जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता की अनुभूति होगी। अपने बन्धु वर्ग तथा मित्रों से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे एवं उनसे आप यथोचित सुख एवं सहयोग भी प्राप्त करेंगी। साथ ही आपके सांसारिक कार्य भी इस मास में पूर्ण रूप से सम्पन्न होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेगा तथा उनसे आपको यथोचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होता रहेगा।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी तथा आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी एवं धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का भी आप इस समय आयोजन कर सकेंगी। इसके अतिरिक्त समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे।

सप्तम् मास
22/05/2027 08:05:55 से 22/06/2027 16:11:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	आर्द्रा	13:49:21
सूर्य		वृष	कृतिका	06:34:15
चन्द्र		वृश्चिक	ज्येष्ठा	25:32:40
मंगल		सिंह	मघा	08:40:28
बुध		वृष	मृगशिरा	28:06:38
गुरु		कर्क	आश्लेषा	24:59:09
शुक्र		मेष	भरणी	14:33:03
शनि		मीन	रेवती	28:46:03
राहु	व	मकर	श्रवण	19:59:21
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	19:59:21
मुंथा		वृष	रोहिणी	10:20:44

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

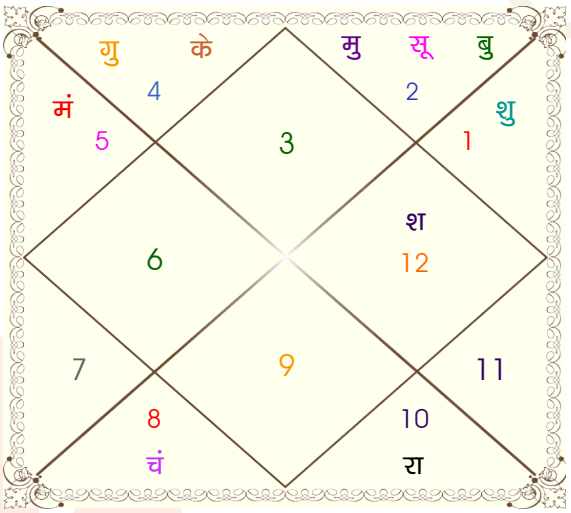

इस मास में आप शुभ तथा अशुभ दोनों प्रकार के फलों को अर्जित करेंगी। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी प्राप्त करेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट आपको होते रहेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में अत्यन्त ही परिश्रम तथा पराक्रम से अल्प मात्रा में सफल हो सकेंगे। धर्म के प्रति आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकती हैं। आपके संबधियों तथा मित्रों से मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा आजीविका संबधी कार्यों में भी इस मास में अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे।शत्रुपक्ष से भी आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। इस समय जिस कार्य को आप प्रारंभ करेंगी उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी जिससे मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगी।

साथ ही अशुभ फलों के साथ साथ आप को यदाकदा शुभफल भी प्राप्त होंगे। इससे आप पति का पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धि बल से सम्पन्न हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त इस मास में आप किसी धार्मिक आचरण करनेमें भी सफल हो सकती हैं।

अष्टम् मास
22/06/2027 16:11:02 से 24/07/2027 03:06:17 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	24:13:40
सूर्य		मिथुन	मृगशिरा	06:34:15
चन्द्र		मकर	श्रवण	13:57:07
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	23:19:25
बुध	व	मिथुन	आर्द्रा	07:55:54
गुरु		कर्क	आश्लेषा	29:23:42
शुक्र		वृष	रोहिणी	22:44:38
शनि		मेष	अश्विनी	01:42:16
राहु	व	मकर	श्रवण	17:44:49
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	17:44:49
मुंथा		वृष	रोहिणी	12:50:44

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

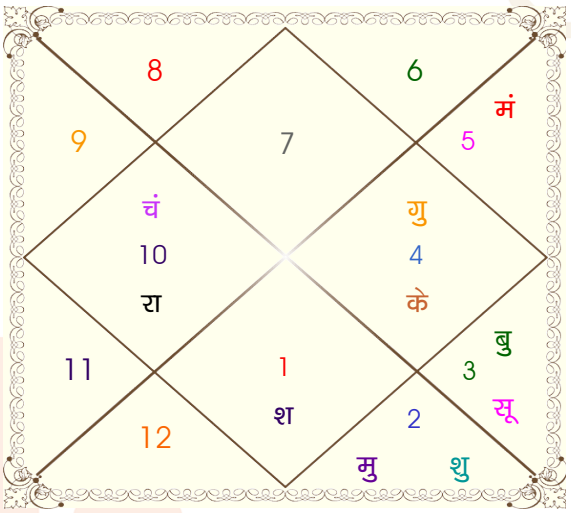

इस मास को आप मध्यम रूप से व्यतीत करेंगी तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगी। इस समय आपका शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा। अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। साथ ही धर में किसी प्रकार की चोरी भी हो सकती है। इस महीने में आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा जिससे आप आर्थिक कष्ट की अनुभूति करेंगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा ही रहेगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक एवं मानसिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी जिससे शरीर में दुर्बलता भी रहेगी। इस मास में आप दूर समीप की यात्राएं भी कर सकती है। इस समय आपके सांसारिक कार्यो में व्यवधान उत्पन्न होंगे फलतः इनमें आपको अल्प सफलता ही प्राप्त होगी। इसके कारण आप मानसिक रूप से तनाव तथा अशान्ति का अनुभव करेंगी। इसके अतिरिक्त मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय हो सकता है। अतः बुद्धिमता पूर्वक समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की अभिवृद्धि होगी जिसके कारण महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त धन भी आप प्रचुर मात्रा में अर्जित करेंगी तथा धर्मानुपालन में प्रवृत रह कर समाज में यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में न्यूनाधिक सफल रहेंगी।

नवम् मास
24/07/2027 03:06:17 से 24/08/2027 10:06:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	मृगशिरा	01:59:27
सूर्य		कर्क	पुष्य	06:34:15
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	03:56:56
मंगल		कन्या	हस्त	10:46:21
बुध		मिथुन	आर्द्रा	18:22:48
गुरु		सिंह	मघा	05:17:09
शुक्र		कर्क	पुनर्वसु	01:17:53
शनि		मेष	अश्विनी	03:23:18
राहु		मकर	श्रवण	17:15:15
केतु		कर्क	आश्लेषा	17:15:15
मुंथा		वृष	रोहिणी	15:20:44

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

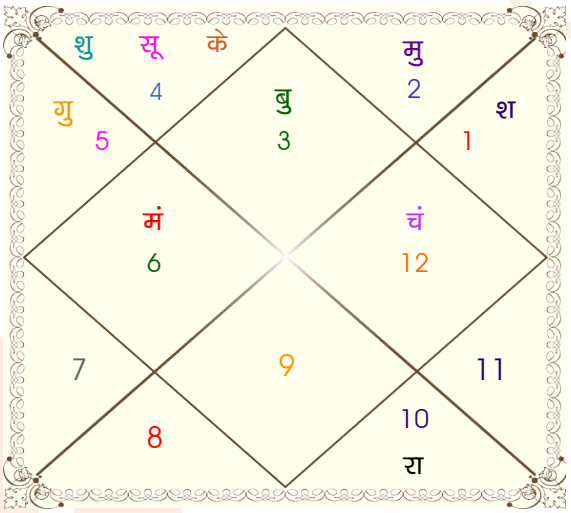

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका धन अधिक मात्रा में व्यय होगा तथा दुष्ट लोगों की संगति प्राप्त करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय आपके कार्य पराक्रम एवं अत्यंत परिश्रम करने के बाद भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगे फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी।धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का भाव ही अधिक मात्रा में विद्यमान रहेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकती हैं। बन्धुओं एवं मित्रों से आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण रहेगा। अतः इनसे आपको किसी विशेष प्रकार का सुख या सहयोग नहीं मिलेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगी उनमें अनावश्यक रूप से व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी इस समय प्रबल रहेगा तथा उससे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपकी इच्छित आशाएं भी इस समय पूर्ण नहीं होगी।

साथ ही इस मास में आप गर्मी से उत्पन्न रोगों के द्वारा कष्ट प्राप्त करेंगी तथा किसी प्रकार से रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः आप इस मास में सतर्कता पूर्वक बुद्धिमता से अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

दशम् मास
24/08/2027 10:06:08 से 24/09/2027 07:36:14 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	चित्रा	29:14:33
सूर्य		सिंह	मघा	06:34:15
चन्द्र		मेष	भरणी	25:16:26
मंगल		तुला	चित्रा	00:00:24
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:42:00
गुरु		सिंह	मघा	11:54:00
शुक्र		सिंह	मघा	09:55:32
शनि	व	मेष	अश्विनी	03:27:14
राहु	व	मकर	श्रवण	17:04:45
केतु	व	कर्क	आश्लेषा	17:04:45
मुंथा		वृष	रोहिणी	17:50:44

मासाधिपति : शुक्र

मासाधिपति

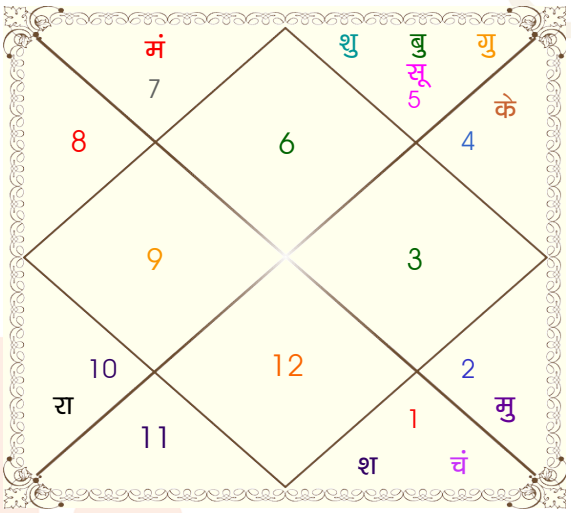

इस मास में आप सौभाग्यशाली रहेंगी तथा समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता प्राप्त करेंगी। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा उच्चाधिकारी वर्ग एवं सामाजिक जन आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सहयोग भी प्राप्त करेंगी। इस मास में आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकती है। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा विधि पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करती रहेंगी।संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगी एवं बुद्धि में भी निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी जिससे आप के शुभ कार्य यथासमय सिद्ध होंगे।साथ ही भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय पूर्ण होंगे। इस समय आपकी लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके यथोचित मान सम्मान की प्राप्ति होगी तथा मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। इस प्रकार सर्वत्र आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगी तथा अपने बुद्धिबल से वांछित धन एवं सुख भी प्राप्त करेंगी। धर्म के प्रति भी श्रद्धालु रहेंगी तथा समाज में आप एक सम्माननीया महिला समझी जाएंगी।

एकादश मास

24/09/2027 07:36:14 से 24/10/2027 16:48:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कन्या	हस्त	23:11:15
सूर्य		कन्या	उ०फाल्गुनी	06:34:15
चन्द्र		मिथुन	आर्द्रा	15:05:38
मंगल		तुला	विशाखा	20:28:24
बुध		तुला	चित्रा	02:41:23
गुरु		सिंह	पू०फाल्गुनी	18:34:02
शुक्र		कन्या	हस्त	18:15:28
शनि	व	मेष	अश्विनी	01:58:21
राहु		मकर	श्रवण	15:59:11
केतु		कर्क	पुष्य	15:59:11
मुंथा		वृष	रोहिणी	20:20:44

मासाधिपति : चन्द्र

मासाधिपति

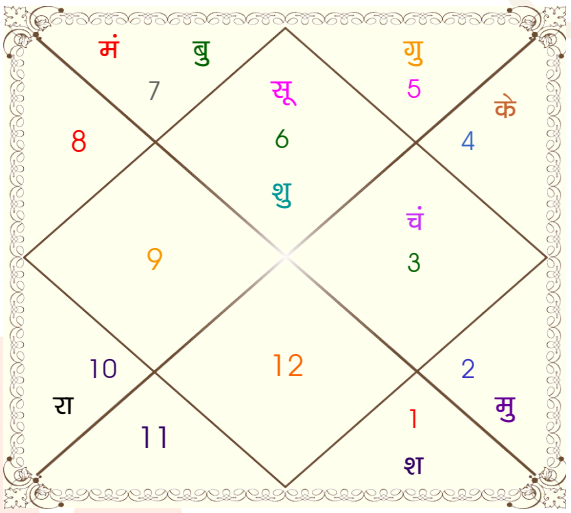

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्य में वृद्धि करने वाला होगा। इस समय आप पर्याप्त मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा आर्थिक दृष्टि से पूर्ण सम्पन्न रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। फलतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। इस मास में आपके घर में किसी धार्मिक उत्सव के आयोजन की भी संभावना रहेगी। संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके हृदय में अनन्य श्रद्धा का भाव रहेगा तथा नियमपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आप यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे तथा बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही आपकी लाभदायक यात्रा के भी योग बनेंगे। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा एक दूसरे से आप इच्छित सहयोग प्राप्त करेंगी। इस प्रकार से समाज में सभी लोगों से आप हार्दिक सम्मान प्राप्त करेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपनी बुद्धिमता से प्रचुर मात्रा में धन तथा सुखों को अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में रूचि शील रहते हुए समाज में पूर्ण यश एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगी।

द्वादश मास

24/10/2027 16:48:08 से 23/11/2027 14:16:03 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	17:22:58
सूर्य		तुला	चित्रा	06:34:15
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	29:28:22
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	11:50:53
बुध	व	कन्या	चित्रा	26:39:47
गुरु		सिंह	पू०फाल्गुनी	24:40:05
शुक्र		तुला	विशाखा	26:00:26
शनि	व	मीन	रेवती	29:39:04
राहु	व	मकर	श्रवण	13:29:17
केतु	व	कर्क	पुष्य	13:29:17
मुंथा		वृष	रोहिणी	22:50:44

मासाधिपति : बुध

मासाधिपति

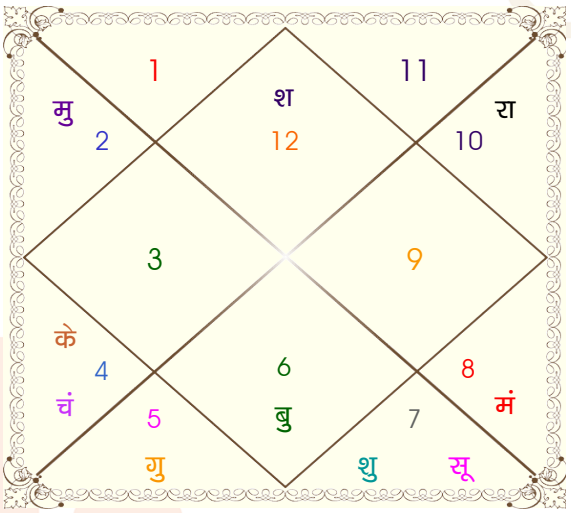

इस मास में आप सुख एवं शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम के द्वारा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में भी सफल रहेंगी। परिवार तथा सामाजिक जनों के मध्य आप की यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपको वांछित सम्मान एवं सहयोग भी प्रदान करेंगे। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको उचित सहयोग मिलता रहेगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करती रहेंगी। इस मास में आप का शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय मिलेगा फलतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सम्पन्न हो जाएंगे। साथ ही आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोंतो से भी आप लाभार्जन करेंगी। अतः मानसिक रूप से भी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति का पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगी एवं अपनी बुद्धिमता से धन एवं सुख साधनों को प्रचुर मात्रा में अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त धर्म में भी आपकी श्रद्धा बढ़ेगी तथा समाज में यश तथा सम्मान प्राप्त करेंगी।